PROGRAMME PROJECT REPORT

OF

DIPLOMA IN SPIRITUAL TEACHING OF GURU JAMBHESHWAR JI MAHARAJ FOR HEALTH AND ENVIRONMENTAL EDUCATION

(DIATANCE MODE)

ONE YEAR PROGRAMME

Choice Based Credit System on Outcome Based Education

(Effective from Session 2025-26)

CENTER FOR DISTANCE AND ONLINE EDUCATION

GURU JAMBHESHWAR UNIVERSITY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY, HISAR – 125001(HARYANA)

(YEAR : 2025-26)

Chairperson,
GJMI Religious Studies,
Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar

SCHEME OF DIPLOMA IN SPIRITUAL TEACHINGS OF GURU JAMBHESHWAR JI MAHARAJ FOR HEALTH AND ENVIRONMENTAL EDUCATION (ODL)

पाठ्यक्रम रुपरेखा (पाठ्यक्रम संरचना)

स्वास्थ्य और पर्यावरण सम्बन्धित गुरु जंभेश्वर जी महाराज की आध्यात्मिक शिक्षाओं में डिप्लोमा यह दो सेमेस्टर का कार्यक्रम है।

इस पाठ्यक्रम की संरचना – योजना एवं पाठ्यक्रम (स्कीम व सिलेबस) इस प्रकार है

स्वास्थ्य और पर्यावरण सम्बन्धित

गुरु जंभेश्वर जी महाराज की आध्यात्मिक शिक्षाओं में डिप्लोमा पाठ्यक्रम की योजना –2025–26

सेमेस्टर – प्रथम

Chairperson,
GJMI Religious Studies,
Guru Jambheshwar University of
Science & Technology, Hisar

SCHEME OF DIPLOMA IN SPIRITUAL TEACHINGS OF GURU JAMBHESHWAR JI MAHARAJ FOR HEALTH AND ENVIRONMENTAL EDUCATION (ODL) 2025-26

स्वास्थ्य एवं पर्यावरण सम्बंधित गुरु जम्भेश्वर जी महाराज की आध्यात्मिक शिक्षाओं में डिप्लोमा (दूरस्थ शिक्षा) 2025–26

Semester -I

Paper Code	Nomenclature of Paper	Credits	Internal Marks	External Marks	Max. Marks
STHEE101	गुरु जम्भेश्वर जी का जीवन, व्यक्तित्व और दर्शन	4	30	70	100
STHEE102	गुरु जम्भेश्वर जी का पर्यावरणीय चिंतन	4	30	70	100
STHEE103	गुरु जम्भेश्वर जी की शिक्षाओं में स्वास्थ्य और जीवन शैली	4	30	70	100
STHEE104	आधुनिक प्रकृति संरक्षण तकनीकी –I	4	30	70	100
STHEE105	परियोजना कार्य	यह परियोजना कार्य प्रथम सेमेस्टर में प्रारंभ होगा और द्वितीय सेमेस्टर में मूल्यांकन होगा			
Total		16	120	280	400

नोट – पांचवां प्रश्न–पत्र दोनों सेमेस्टरों में समवेत रूप से अध्ययन हेतु निर्धारित किया गया है। उक्त प्रश्न पत्र के अंतर्गत परियोजना कार्य का मूल्यांकन द्वितीय सेमेस्टर में संपन्न होगा, लेकिन परियोजना कार्य प्रथम सेमेस्टर से ही आरंभ करना है। मूल्यांकन हेतु अधिकतम अंक–सीमा 200 निर्धारित की गई है।

नोट

प्रश्न पत्र दो खंडों – खंड A और खंड B में विभक्त होगा (35+35=70)।

खंड A में दस लघु उत्तरीय प्रकार के प्रश्न होंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को कोई भी सात प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक होगा (7 ×5 = 35 अंक)।

खंड B में तीन प्रश्न होंगे जिनमें आंतरिक विकल्प (Internal Choice) होंगे और परीक्षार्थी को सभी प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा (2 × 12). (1 × 11) = 35 अंक।

कुल अधिकतम अंकों का 30: आंतरिक मूल्यांकन के लिए निर्धारित है, जो दो हस्तलिखित असाइनमेंट्स के आधार पर होगा। प्रत्येक असाइनमेंट के लिए 15: अंक निर्धारित किए गए हैं

Chairperson,
GJMJ Religious Studies,
Guru Jambheshwar University of
Science & Technology, Hisar

Semester -II

Paper Code	Nomenclature of Paper	Credits	Internal Marks	External Marks	Max. Marks
STHEE201	आध्यात्मिक पर्यावरण की मीमांसा	4	30	70	100
STHEE202	जाम्भाणी परम्परा में नशामुक्ति एवं स्वास्थ्य दृष्टिकोण	4	30	70	100
STHEE203	आधुनिक पर्यावरण संकट और गुरु जम्भेश्वर जी के विचारों की प्रासंगिकता	4	30	70	100
STHEE204	आधुनिक प्रकृति संरक्षण तकनीकी –II	4	30	70	100
STHEE205	प्रयोगात्मक मूल्यांकन	8	60	140	200
Total		24	180	420	600

<u>नोट</u> – पांचवां प्रश्न–पत्र दोनों सेमेस्टरों में समवेत रूप से अध्ययन हेतु निर्धारित किया गया है। उक्त प्रश्न पत्र के अंतर्गत परियोजना कार्य का मूल्यांकन द्वितीय सेमेस्टर में संपन्न होगा, लेकिन परियोजना कार्य प्रथम सेमेस्टर से ही आरंभ करना है। मूल्यांकन हेतु अधिकतम अंक–सीमा 200 निर्धारित की गई है।

Chairperson,
GJMI Religious Studies,
Guru Jambheshwar University of
Science & Technology, Hisar

प्रथम सेमेस्टर

प्रश्न पत्र कोड – STHEE101

गुरु जम्भेश्वर जी का जीवन, व्यक्तिव और दर्शन

कुल अंक – 100 मूल्यांकन अंक –70

समयावधि – 3 घंटे आंतरिक मूल्यांकन अंक –30

इकाई –1 गुरु जंभेश्वर जी महाराज का जीवन परिचय और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि गुरु जम्भेश्वर जी का जन्म, परिवार और बाल्यकाल।

इकाई –2 गुरु जंभेश्वर जी की युगीन सामाजिक, धार्मिक एवं राजनीतिक परिस्थितियां।

इकाई –3 गुरु जंभेश्वर जी की तपस्या, ज्ञान प्राप्ति और प्रवर्तन काल की शुरुआत। गुरु जम्भेश्वर जी की धार्मिक एवं नैतिक शिक्षाएं

इकाई –4 धार्मिक आंदोलन और विश्नोई पंथ की स्थापना, पंथ की स्थापना के कारण और उद्देश्य।

इकाई –5 गुरु जंभेश्वर जी द्वारा प्रदत्त 29 धर्म–नियमों का विवेचन विश्लेषण। गुरु जी द्वारा उच्चारित सबदवाणी (जम्भवाणी) का परिचय, जम्भवाणी : भाषा, शैली और विषयवस्तु

<u>संदर्भित पुस्तकें</u>

1. जाम्भोजी, विष्णोई संप्रदाय और साहित्य (भाग1–2) डॉ. हीरालाल माहेश्वरी,

2. जम्भवाणी मूल संजीवनी व्याख्या – टीका : डॉ किशनाराम बिश्नोई, डॉ. रामस्वरूप, विश्वविद्यालय प्रकाशन, हिसार, संस्करण –2020

3 बिश्नोई पंथ और साहित्य रू डॉ. बनवारी लाल साहू, जाम्भाणी साहित्य अकादमी, बीकानेर

Chairperson,
GJMI Religious Studies,
Guru Jambheshwar University of
Science & Technology, Hisar

प्रथम सेमेस्टर

प्रश्न पत्र कोड – STHEE102

गुरु जम्भेश्वर जी का पर्यावरणीय चिंतन

कुल अंक – 100

समयावधि – 3 घंटे

मूल्यांकन अंक –70

आंतरिक मूल्यांकन अंक –30

इकाई 1. जम्भेश्वर जी के 29 नियमों में पर्यावरण चेतना। जीवदया पालनी और हरे वृक्ष नहीं काटना तथा प्राणी मात्र के प्रति दया का भाव बनाए रखना अवधारणा का पर्यावरणीय विश्लेषण।

इकाई 2. जम्भेश्वर जी की बाणी में पर्यावरण चेतना। जम्भवाणी के विभिन्न सबदों में, भिन्न–भिन्न प्रसंगों में पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन संबंधी दृष्टिकोण को समझना। जल, वायु, भूमि, वनस्पति और जीवों की रक्षा संबंधी शिक्षाएँ

इकाई 3. प्रकृति एवं जीव संरक्षण के लिए गुरु जम्भेश्वर जी का व्यवहारिक दृष्टिकोण, पशु–पक्षियों एवं वनस्पतियों के प्रति करुणा एवं दया का भाव।

इकाई 4. बिश्नोई समाज के माध्यम से पर्यावरणीय परंपरा का निर्वाह, गुरु जी की शिक्षाओं के अनुरूप जीवनशैली। सामुदायिक चेतना और पर्यावरण रक्षा अभियान तथा पर्यावरणीय न्याय की परिकल्पना।

संदर्भ ग्रंथ

1. जाम्भोजी, विष्णोई सम्प्रदाय और साहित्य भाग 1–2, डॉ. हीरालाल माहेश्वरी
2. शब्दवाणी–मूल और टीका, डॉ. हीरालाल माहेश्वरी
3. जाम्भोजी की वाणी, डॉ. सूर्य शंकर पारीक
4. जाम्भवाणी मूल संजीवनी व्याख्या, डॉ. किशनाराम बिश्नोई
5. गुरु जम्भेश्वर विविध आयाम, डॉ. किशनाराम बिश्नोई

Chairperson,
GJMJ Religious Studies,
Guru Jambheshwar University of
Science & Technology, Hisar

प्रथम सेमेस्टर

प्रश्न पत्र कोड – STHEE103

गुरु ज़म्भेश्वर जी की शिक्षाओं में स्वास्थ्य और जीवन शैली

कुल अंक – 100 मूल्यांकन अंक –70

समयावधि – 3 घंटे आंतरिक मूल्यांकन अंक –30

इकाई 1. स्वास्थ्य और जीवन शैली से संबंधित उस समय की मान्यताएँ तथा मानसिक और आत्मिक स्वास्थ्य का महत्व।

इकाई 2. स्वास्थ्य संबंधी सिद्धांत और आचार : गुरु जम्भेश्वर जी द्वारा बताए गए स्वास्थ्य के मूल सिद्धांत, खानपान संबंधी निर्देश (शाकाहार, सात्विक भोजन आदि) मद्यपान, तंबाकू, मांसाहार आदि पर निषेध।

इकाई 3. जीवन शैली और संयम रू आत्मिक शुद्धि और शरीर की शुद्धि का संबंध, गुरु जम्भेश्वर जी की वाणी में जीवनशैली संबंधी निर्देश, स्वच्छता, संयम और साधना का महत्व।

इकाई 4. योग, ध्यान और आध्यात्मिक स्वास्थ्य : गुरु जम्भेश्वर जी की शिक्षाओं में ध्यान और साधना का स्थान, योग और ब्रह्मचर्य का महत्व, आध्यात्मिक स्वास्थ्य और समरस जीवन।

इकाई 5. समकालीन संदर्भ में प्रासंगिकता : आज की जीवनशैली में गुरु जम्भेश्वर जी की शिक्षाओं की उपयोगिता, स्वास्थ्य संकट और प्राकृतिक जीवनशैली की आवश्यकता, स्वास्थ्य और अध्यात्म का समन्वय।

संदर्भ ग्रंथ

1. शब्दवाणी–मूल और टीका, डॉ. हीरालाल माहेश्वरी
2. जाम्भोजी की वाणी, डॉ. सूर्य शंकर पारीक
3. जम्भवाणी मूल संजीवनी व्याख्या, डॉ. किशनाराम बिश्नोई
4. गुरु जम्भेश्वर विविध आयाम, डॉ. किशनाराम बिश्नोई
5. जाम्भा पुराण (संपादक) स्वामी कृष्णानन्द
6. पर्यावरण संरक्षण और खेजड़ली बलिदान, डॉ. बनवारी लाल सहू

Chairperson,
GJMI Religious Studies,
Guru Jambheshwar University of
Science & Technology, Hisar

प्रथम सेमेस्टर

प्रश्न पत्र कोड – STHEE104

आधुनिक प्रकृति संरक्षण तकनीकी–I

कुल अंक – 100

समयावधि – 3 घंटे

मूल्यांकन अंक –70

आंतरिक मूल्यांकन अंक –30

ईकाई–1. सतत् विकास और भारतीय ज्ञान परंपरा, सतत् विकास की वैश्विक अवधारणा (Brundtland Report), भारतीय परंपरा में पृथ्वी, जल, वायु का संतुलन। जम्भवाणी में प्रकृति संवेदना व लोक आधारित संरक्षण की अवधारणा।

ईकाई–2. आधुनिक पर्यावरण संरक्षण तकनीकें– जल संरक्षण तकनीकें रेन वॉटर हार्वेस्टिंग, ड्रिप इरिगेशन। ऊर्जा संरक्षण सौर ऊर्जा, बायोगैस, पवन ऊर्जा। कचरा प्रबंधन : सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, कंपोस्टिंग।

ईकाई–3. प्राकृतिक संसाधनों का प्रबंधन और जैव विविधता संरक्षण, धरती,वन और जल संसाधनों का संतुलित उपयोग।

ईकाई–4. स्वास्थ्य, पर्यावरण और जीवनशैली, पर्यावरणीय प्रदूषण एवं मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव।

गुरु जंभेश्वर जी की सात्विक जीवनशैली और नशा निषेध नीति, स्वच्छता, योग, और मन–शरीर संतुलन WHO, NEP–2020 में स्वास्थ्य और पर्यावरण के अंतर्संबंध।

ईकाई–5. शिक्षा, जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता, पर्यावरण शिक्षा की भूमिका। गुरु जंभेश्वर जी की शिक्षाओं पर आधारित लोक–नाटक, गीत, संस्कार, सामुदायिक वृक्षारोपण, जलसंरक्षण आंदोल, आधुनिक जनसंचार माध्यमों द्वारा हरित जागरूकता।

संदर्भ ग्रंथ

1. जम्भवाणी मूल संजीवनी व्याख्या सहित – डॉ. किशनाराम बिश्नोई, विश्वविद्यालय प्रकाशन, हिसार,
2. पर्यावरण अध्ययन – रमेशचन्द्र शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. नवीकरणीय ऊर्जा एवं सतत विकास– दिनेशचन्द्र अग्रवाल,दीप पब्लिकेशन्स, दिल्ली
4. सतत शहरी विकास और स्मार्ट सिटी– संजय जोशी, किताब महल, इलाहाबाद।
5. भारत सरकार – शिक्षा मंत्रालय (2020). राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP–2020) (हिन्दी संस्करण)।
6. यूनेस्को (2021). सतत विकास हेतु शिक्षा रू रोडमैप 2030 (हिन्दी अनुवाद संस्करण)।

Chairperson,
GJMI Religious Studies,
Guru Jambheshwar University of
Science & Technology, Hisar

प्रथम सेमेस्टर

प्रश्न पत्र कोड – STHEE105

परियोज़ना कार्य

कुल अंक – 100 | मूल्यांकन अंक –70

समयावधि – 3 घंटे | आंतरिक मूल्यांकन अंक –30

इकाई 1. हरित जीवन – वृक्षारोपण एवं सुरक्षा (Tree Plantation & Care) विद्यार्थी पाँच पौधों का रोपण कर उनकी नियमित देखभाल और वृद्धि रिपोर्ट तैयार करेंगे।

इकाई 2. जल संरक्षण एवं रेन वाटर हार्वेस्टिंग मॉडल। स्थानीय स्तर पर वर्षा जल संचयन अथवा पारंपरिक जल–संरक्षण पद्धति का व्यवहारिक प्रदर्शन।

इकाई 3. कचरा प्रबंधन एवं जैविक खाद निर्माण। प्लास्टिक मुक्त परिसर और जैविक खाद निर्माण की प्रायोगिक गतिविधि।

इकाई 4. योग एवं प्राणायाम अभ्यास। दैनिक योग–साधना और प्राणायाम का अभ्यास कर स्वास्थ्य पर उसके प्रभाव की डायरी।

इकाई 5. ध्यान एवं मानसिक स्वास्थ्य। गुरु जंभेश्वर जी की शिक्षाओं पर आधारित ध्यान–साधना और उसके लाभों का अध्ययन।

संदर्भ ग्रंथ

1. गुरु जम्भेश्वर विविध आयाम, डॉ. किशनाराम बिश्नोई
2. जाम्भा पुराण (संपादक) स्वामी कृष्णानन्द
3. पर्यावरण संरक्षण और खेजड़ली बलिदान, डॉ. बनवारी लाल सहू
4. गुरु जम्भेश्वर जीवन और साधना, डॉ. किशनाराम बिश्नोई
5. जम्भवाणी में लोक चेतना – डॉ. पुष्पा विश्नोई

Chairperson,
GJMI Religious Studies,
Guru Jambheshwar University of
Science & Technology, Hisar

द्वितिय–सेमेस्टर

प्रश्न पत्र कोड – STHEE201

आध्यात्मिक पर्यावरण की मीमांसा

कुल अंक – 100

समयावधि – 3 घंटे

मूल्यांकन अंक –70

आंतरिक मूल्यांकन अंक –30

ईकाई–1. आध्यात्मिक पर्यावरण – अवधारणा और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, पर्यावरण का भारतीय दृष्टिकोण, वेदों, उपनिषदों, पुराणों में प्रकृति की महत्ता। आध्यात्मिक पर्यावरण की वैश्विक अवधारणा की तुलना।

ईकाई–2. गुरु परंपरा और पर्यावरण चेतना – स्वामी दयानंद, महर्षि अरविन्द, गांधीजी के प्रकृति संबंधी विचार, भारतीय संत परंपरा में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता, आधुनिक पर्यावरण आंदोलनों में संतों की भूमिका।

ईकाई–3. पर्यावरण, स्वास्थ्य और योग प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धतियाँ – आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी, पर्यावरणीय स्वास्थ्य (Air, Water, Soil,Mental Health) योग एवं प्राणायाम का जैविक संतुलन में योगदान, अध्यात्मिक अनुशासन और जीवनशैली रोग निवारण के उपकरण, WHO और आयुष मंत्रालय की अवधारणाएं।

संदर्भ ग्रंथ

1. जम्भवाणी मूल संजीवनी व्याख्या, डॉ. किशनाराम बिश्नोई
2. गुरु जम्भेश्वर विविध आयाम, डॉ. किशनाराम बिश्नोई
3. जाम्भा पुराण (संपादक) स्वामी कृष्णानन्द
4. पर्यावरण संरक्षण और खेजड़ली बलिदान, डॉ. बनवारी लाल साहू

Chairperson,
GJMI Religious Studies,
Guru Jambheshwar University of
Science & Technology, Hisar

द्वितिय–सेमेस्टर

प्रश्न पत्र कोड़ – STHEE202

जाम्भाणी परम्परा में नशामुक्ति एवं स्वास्थ्य दृष्टिकोण

कुल अंक – 100 | मूल्यांकन अंक –70

समयावधि – 3 घंटे | आंतरिक मूल्यांकन अंक –30

ईकाई 1. गुरु जम्भेश्वर जी की आचार संहिता एवं वाणी में नशामुक्त जीवन की अवधारणा, स्वास्थ्य और पर्यावरण के प्रति चेतना, भारतीय आध्यात्मिक परम्परा में नैतिकता और स्वास्थ्य के मूल्यों की समझ।

ईकाई 2. जाम्भाणी परम्परा में नशामुक्ति का सैद्धांतिक आधार, विभिन्न प्रकार के नशा नहीं करने संबंधी नियम का धार्मिक, नैतिक और सामाजिक औचित्य।

ईकाई 3. आधुनिक नशामुक्ति अभियान और जाम्भाणी परम्परा – आधुनिक भारत में नशामुक्ति अभियान : नीतियाँ, कानून और प्रयास, जाम्भाणी विचारधारा का समकालीन अनुप्रयोग एवं नशामुक्त समाज की केस स्टडी।

ईकाई 4. जाम्भाणी स्वास्थ्य चिंतन एवं प्राकृतिक जीवनशैली, सात्विक भोजन, दिनचर्या और स्वास्थ्य–संयम, पंचतत्त्व आधारित शरीर–दर्शन और जीवन संतुलन, पारंपरिक ज्ञान और योगिक अभ्यास।

ईकाई 5. मानसिक स्वास्थ्य और आध्यात्मिक अनुशासन, नशा और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव, ध्यान, भजन और आस्था द्वारा मानसिक शुद्धता, गुरु–भक्ति और मानसिक शांति के वैज्ञानिक पक्ष।

संदर्भ ग्रंथ

1. जाम्भा पुराण (संपादक) स्वामी कृष्णानन्द

2. पर्यावरण संरक्षण और खेजड़ली बलिदान डॉ. बनवारी लाल सहू

3. गुरु जम्भेश्वर जीवन और साधना डॉ. किशनाराम बिश्नोई

4. जम्भवाणी में लोक चेतना – डॉ. पुष्पा विश्नोई

Chairperson,
GJMI Religious Studies,
Guru Jambheshwar University of
Science & Technology, Hisar

द्वितिय–सेमेस्टर

प्रश्न पत्र कोड – STHEE203

आधुनिक पर्यावरण संकट और गुरु जम्भेश्वर जी के विचारों की प्रांसगिकता

कुल अंक – 100

मूल्यांकन अंक –70

समयावधि – 3 घंटे

आंतरिक मूल्यांकन अंक –30

इकाई 1. पर्यावरण संकट – वैश्विक दृष्टि–आधुनिक पर्यावरण संकट की पृष्ठभूमि : प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, जैव–विविधता ह्रास, मरुस्थलीकरण। संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य तथा पर्यावरण न्याय।

इकाई 2. गुरु जंभेश्वर के पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन संबंधी दृष्टिकोण । जंभवाणी में जल, प्रकृति और सभी प्रकार के जीव संरक्षण की संकल्पना। आस्था और नैतिकता द्वारा पर्यावरणीय संतुलन की स्थापना।

इकाई 3. जंभेश्वर दर्शन और आधुनिक पर्यावरण नीति वृक्षों का संरक्षण और हरित आचरण। पशु–पक्षियों के प्रति करुणा और अहिंसा। आधुनिक पर्यावरण आंदोलन– चिपको, नर्मदा बचाओ।

इकाई 4. नई शिक्षा नीति और पर्यावरण शिक्षा। भारतीय ज्ञान परंपरा और पर्यावरणीय जीवन–मूल्य। शिक्षा नीति 2020 में मूल्य–आधारित शिक्षा और सतत जीवन।

इकाई 5. शोध और व्यावहारिक पहल, क्षेत्रीय कार्य : स्थानीय पारिस्थितिक संकट और उनके समाधान की खोज।

संदर्भ ग्रंथ

1. जम्भवाणी में लोक चेतना – डॉ. पुष्पा विश्नोई, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
2. पर्यावरण दर्शन और भारतीय संस्कृति – डॉ. कैलाश चंद्र भटनागर, भारतीय साहित्य परिषद, दिल्ली।
3. जिंदा रहना : औरत, पारिस्थितिकी और विकास– वंदना शिवा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. पर्यावरणीय संकट, जैव विविधता ह्रास, पर्यावरण न्याय, चिपको आंदोलन आदि। संयुक्त राष्ट्र संघ सतत विकास लक्ष्य : 2030 एजेण्डा (आधिकारिक हिंदी अनुवाद)
5. भारतीय संत परंपरा और पर्यावरण चेतना– डॉ. मोहनलाल शर्मा, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, नई दिल्ली।

Chairperson,
GJMI Religious Studies,
Guru Jambheshwar University of
Science & Technology, Hisar

द्वितिय–सेमेस्टर

प्रश्न पत्र कोड – STHEE204

आधुनिक प्रकृति संरक्षण तकनीकी –II

कुल अंक – 100 | मूल्यांकन अंक –70

समयावधि – 3 घंटे | आंतरिक मूल्यांकन अंक –30

इकाई 1. पर्यावरण निगरानी और डिजिटल तकनीक पर्यावरणीय डाटा संग्रहण की नई तकनीकें : सैटेलाइट इमेजिंग, जीआईएस (GIS) रिमोट सेंसिंग।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और मशीन लर्निंग आधारित पर्यावरणीय पूर्वानुमान। डिजिटल तिकनीक और स्मार्ट प्लैनेट अवधारणा।

इकाई 2. स्वच्छ ऊर्जा और कार्बन न्यूट्रैलिटी, कार्बन फुटप्रिंट, कार्बन ट्रेडिंग और नेट–जीरो नीति। ग्रीन हाइड्रोजन, ई–व्हीकल्स, बैटरी स्टोरेज तकनीक।

इकाई 3. जलवायु परिवर्तन और अनुकूलन तकनीक। क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर : सेंसर आधारित खेती, एग्री–ड्रोन। मरुस्थलीकरण और तटीय क्षरण रोकने की तकनीकें।

इकाई 4. शहरीकरण और हरित अवसंरचना। स्मार्ट सिटी मिशन और सस्टेनेबल अर्बन प्लानिंग। वर्टिकल गार्डन, रूफटॉप फार्मिंग, अर्बन फॉरेस्टेशन।

संदर्भ ग्रंथ

1. जम्भवाणी मूल संजीवनी व्याख्या सहित – डॉ. किशनाराम बिश्नोई, विश्वविद्यालय प्रकाशन, हिसार,
2. पर्यावरण अध्ययन – रमेशचन्द्र शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. नवीकरणीय ऊर्जा एवं सतत विकास– दिनेशचन्द्र अग्रवाल,दीप पब्लिकेशन्स, दिल्ली
4. भारत सरकार – ऊर्जा मंत्रालय (2023). एक विश्व – एक ग्रिड पहल : नीति दस्तावेज।
5. जलवायु परिवर्तन : संकट और समाधान – अच्युतानन्द त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. सतत शहरी विकास और स्मार्ट सिटी– संजय जोशी, किताब महल, इलाहाबाद।

Chairperson,
GJMI Religious Studies,
Guru Jambheshwar University of
Science & Technology, Hisar

द्वितिय–सेमेस्टर

प्रश्न पत्र कोड – STHEE205

प्रयोगात्मक मूल्यांकन

कुल अंक – 100
समयावधि – 3 घंटे

मूल्यांकन अंक –70
आंतरिक मूल्यांकन अंक –30

इकाई 1. शाकाहार और पोषण कार्यशाला। पौष्टिक शाकाहारी आहार और व्यसन–मुक्ति पर आधारित सर्वेक्षण व रिपोर्ट।

इकाई 2. सामुदायिक स्वास्थ्य जागरूकता अभियान।
ग्रामीण/शहरी क्षेत्र में स्वास्थ्य और स्वच्छता पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन।

इकाई 3. फील्ड सर्वेक्षण एवं भ्रमण अध्ययन
खेजड़ली/संभराथल या किसी अन्य स्थानीय पर्यावरणीय संकट क्षेत्र का अध्ययन एवं रिपोर्ट।

इकाई 4. लघु शोध प्रोजेक्ट (Mini Dissertation)
"जम्भवाणी में पर्यावरण चेतना" या "स्वास्थ्य और अनुशासन" जैसे विषयों पर शोध–प्रोजेक्ट (2000–2500 शब्दों में लिखें)।

इकाई 5. ईको–एथिक्स प्रैक्टिकल वर्कशॉप आधारित गतिविधियाँ : हरीतिमा संवर्धन, जीव दया, और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण।

Chairperson,
GJMI Religious Studies,
Guru Jambheshwar University of
Science & Technology, Hisar

कार्यक्रम की अवधि

मार्गदर्शन एवं परामर्श (स्वास्थ्या और पर्यावरण सम्बन्धित गुरु जंभेश्वर जी महाराज की आध्यात्मिक शिक्षाओं में डिप्लोमा) डिप्लोमा की अवधि एक वर्ष है

1. यदि कोई विद्यार्थी किसी भी कारणवश निर्धारित सामान्य अवधि अथवा कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि में अध्ययन पूर्ण नहीं कर पाता है, तो उसे सामान्य अवधि से आगे दो वर्षों की अतिरिक्त अवधि दी जाएगी, ताकि वह अपनी शेष परीक्षाएँ उत्तीर्ण कर डिप्लोमा प्रमाण पत्र प्राप्त कर सके। अतः सामान्य सूत्र इस प्रकार होगा

समय–सीमा = N+2 वर्ष, जहाँ छः माह कार्यक्रम की सामान्य अथवा न्यूनतम अवधि को दर्शाता है।

विशेष परिस्थितियों में एक और वर्ष की अतिरिक्त अवधि प्रदान की जा सकती है। इन विशेष परिस्थितियों को विश्वविद्यालय की संबंधित वैधानिक प्राधिकारी द्वारा स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाएगा।

2. इसके अतिरिक्त, mercy chance (दया अवसर), यदि कोई दिया जाता है, तो वह यूजीसी (UGC) के दिशा–निर्देशों के अनुसार कार्यक्रम की अधिकतम अनुमत अवधि के भीतर ही प्रदान किया जाएगा। सामान्य परिस्थितियों में पुनःप्रकट परीक्षा (reappear examination) में उत्तीर्ण होने के लिए केवल दो अवसर ही दिए जाएंगे

Chairperson,
GJMI Religious Studies,
Guru Jambheshwar University of
Science & Technology, Hisar

1. प्रवेश और मूल्यांकन की प्रक्रिया

1.1 प्रवेश प्रक्रिया

प्रवेश प्रक्रिया विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार ऑनलाइन होगी।

1.1.1 कार्यक्रम हेतु प्रवेश नीति

- प्रवेश ऑनलाइन प्रवेश फार्म भरने के आधार पर होगा। ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की प्रक्रिया चार चरणों में पूरी होगी, जैसे –
- ABC ID बनाना
- DEB बनाना
- उम्मीदवार का पंजीकरण।
- नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड या क्रेडिट कार्ड से शुल्क भुगतान प्रथम सेमेस्टर के पाठ्यकम की फीस जमा करना
- आवेदन पत्र भरना।
- आवश्यक दस्तावेजों की स्कैन प्रति अपलोड करना।
- पूर्वावलोकन (Preview) तैयार करना। उसके बाद रोल न. अपडेट हो जायेगा।

1.1.2 पात्रता

किसी मान्यता प्राप्त स्कूल से बाहरवीं की परीक्षा उर्त्तीण। किसी भी वर्ग (संकाय में)

1.1.3 शुल्क संरचना

विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित की जाएगी।

1.2 मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन व्यावहारिक असाइनमेंट्स पर आधारित होगा तथा मूल्यांकन संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा किया जाएगा। बाहरी सेमेस्टरांत परीक्षा 70 अंकों की वर्णनात्मक (Subjective type) प्रश्नों पर आधारित होगी।

व्यावहारिक असाइनमेंट्स जमा करने की अंतिम तिथि 31 जनवरी व 31 मई होगी विलंब से प्रस्तुतियाँ स्वीकार नहीं की जाएंगी।

टिप्पणी (NOTE)

1. विद्यार्थियों को प्रत्येक सिद्धांत–पत्र (theory paper) के लिए 30: वेटेज वाले दो आंतरिक हस्तलिखित असाइनमेंट निर्धारित समयावधि में अपलोड करने होंगे। असाइनमेंट प्रश्न–पत्र सीडीओई (CDOE) वेबसाइट और छात्र पोर्टल/एलएमएस पर उपलब्ध होंगे। प्रश्न–पत्र डाउनलोड करना और हल किए हुए असाइनमेंट अपलोड करना केवल छात्र की जिम्मेदारी होगी।

2. जो विद्यार्थी आंतरिक मूल्यांकन तथा कुल योग (aggregate) दोनों में असफल होंगे, उन्हें आंतरिक मूल्यांकन में अपना स्कोर सुधारने का विशेष अवसर दिया जाएगा।

Chairperson,
GJMI Religious Studies,
Guru Jambheshwar University of
Science & Technology, Hisar

3. यदि कोई विद्यार्थी बाहरी परीक्षा में किसी विशेष पाठ्यक्रम में 40% अंक प्राप्त नहीं कर पाता है तो उसे संबंधित पत्र की बाहरी परीक्षा में विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार पुनः उपस्थित होना होगा।

Chairperson,
GJMI Religious Studies,
Guru Jambheshwar University of
Science & Technology, Hisar